Unit - 3 (A)

इतिहास - शिक्षण की युक्तियाँ एवं प्रविधियाँ -
(DEVICES AND TECHNIQUES OF TEACHING HISTORY) :-

इतिहास शिक्षण की विधियों के अन्तर्गत कुछ विशिष्ट प्रविधियों का प्रयोग इतिहास अध्ययन के लिये किया जाता है। ये प्रविधियाँ शिक्षण में बहुत ही उपयोगी सिद्ध होती हैं। ~~विभिन्न प्रविधियाँ शिक्षण में बहुत ही उपयोगी~~ विभिन्न उद्देश्यों के लिए भिन्न - भिन्न अवसरों पर प्रयोग में लायी जाती है। वस्तुतः इन सबका अभिप्राय ज्ञानार्जन को प्रभावशाली, ग्राह्य, बोधगम्य सरल एवं रोचक बनाना होता है।

इतिहास - शिक्षण की प्रविधियां

1. प्रश्न प्रविधि
2. कथन प्रविधि
3. अभ्यास प्रविधि
4. परीक्षा प्रविधि
5. उदाहरण प्रविधि
6. नाटकीय प्रविधि
7. कार्य - निर्धारण प्रविधि
8. सेमिनार

प्राचार्य
[illegible] मैमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
[illegible]पुर, ताखा, बलिया

(9) सिम्पोजियम
(10) सामूहिक वाद-विवाद
(11) सम्मेलन
(12) कार्यशाला।

4- प्रश्न प्रविधि
(QUESTIONING TECHNIQUE)

इतिहास शिक्षण में प्रश्न प्रविधि का महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ विद्वान इसको स्वतन्त्र विधि के रूप में ग्रहण करते हैं परन्तु यह साधन के रूप में सभी विधियों में प्रयुक्त की जाती है। इस कारण इसको एक प्रविधि के रूप में स्वीकार करना अधिक उचित है। इसके द्वारा सीखने की प्रक्रिया को प्रभावोत्पादक बनाया जाता है। प्रश्नों का परम्परागत ध्येय - बालक के ज्ञान को जाँचना था। परन्तु आधुनिक शैक्षिक प्रक्रिया में प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, तथा इस प्रविधि द्वारा बहुत-से प्रयोजनों की पूर्ति होती है।

प्रश्नों के मुख्य प्रयोजन निम्नलिखित माने जाते हैं-

(1) छात्रों में कार्य के प्रति कौतूहल एवं रुचि जाग्रत करना।

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

② - सीखने की प्रक्रिया में इनके द्वारा पथ-प्रदर्शन करना,

③ - अन्वेषण तथा अनुसन्धान के लिए प्रोत्साहित करना।

④ - कार्य के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालना।

⑤ - छात्रों के अर्जित ज्ञान तथा उन्नति को मापना।

⑥ समस्याओं को समझने के लिए बालकों के मस्तिष्क को तत्पर बनाना।

⑦ मौखिक रूप में अभिव्यंजना - शक्ति का विकास करना

⑧ छात्रों के दोषों तथा कठिनाइयों का पता लगाना।

⑨ वैयक्तिक शिक्षा प्रदान करना।

⑩ विचार - प्रक्रिया को प्रोत्साहित एवं उद्दीप्त करना।

⑪ छात्रों के ज्ञान को पुनर्विलोकन तथा प्रयोग के लिये अवसर प्रदान करना।

⑫ निर्धारित कार्य के लिए प्रेरणा प्रदान करना

⑬ छात्रों की आवश्यकताओं, अभिरुचियों तथा तत्कालीन समस्याओं का ज्ञान प्राप्त करना।

प्राचार्य
श्री गैनीरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

29-9-2020